नाम	: S.BOOPATHY
लिंग	: पुरुष
जन्म तिथि	: 2 जानुवरी, 1978 सोमवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	: 06.00.00 AM; Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	: 05.30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
समय पध्धति	: Standard Time
जन्म स्थल	: Tiruppur (tn)
रेखांश (Deg.Mins)	: 077.20 पूरब
अक्षांश (Deg.Mins)	: 11.05 उत्तर दिशा
अयनांश	: चित्रपक्ष
दशा पद्धति	: विमशोत्तरी पद्धति, साल = 365.25 दिन
जन्म नक्षत्र	: **हस्त**
नक्षत्र पद	: 1
नक्षत्र का देव	: चंद्र
जन्म राशी	: कन्या
राशी का देव	: बुध
लग्न	: धनु
लग्न का देव	: गुरु
तिथि	: अष्टमि, कृष्णपक्ष
करण	: वाध
नित्ययोग	: शोभना
सूर्योदय (Hrs.Mins)	: 06.40AM Standard Time
सूर्योस्त (Hrs.Mins)	: 06.09PM " "
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	: रविवार
प्रादेशिक समय	: Standard Time - 21 Mins

भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार

के			गु
	हस्त 2-जानुवरी-1978 06.00.00 am **राशी** रेखांश -077.20 अक्षांश +11.05		मं
			श मा
र शु ल	बु		चं रा

जन्म के समय दशा की समतुलना = चंद्र 8 साल, 7 महीने, 26 दिन

विंषोत्तरी दशा का सेक्षिप्त विवरण

दशा के बदनते समय उम्र

दशा	उम्र के प्रारंभ काल में		
मंगल	08 साल,	07 महीने,	26 दिन
राहु	15 साल,	07 महीने,	26 दिन
गुरु	33 साल,	07 महीने,	26 दिन
शनि	49 साल,	07 महीने,	26 दिन
बुध	68 साल,	07 महीने,	26 दिन
केतु	85 साल,	07 महीने,	26 दिन
शुक्र	92 साल,	07 महीने,	26 दिन

षड्बल

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
संपूर्ण षड्बल	467.68	375.75	475.22	286.83	426.94	505.53	318.01
संपूर्ण शडबल (रूप)	7.79	6.26	7.92	4.78	7.12	8.43	5.30
मौलीक ज़रूरतें	6.00	5.00	7.00	5.50	5.00	6.50	5.00
षडबल अनुपात	1.30	1.25	1.13	0.87	1.42	1.30	1.06
संबन्धी स्थानक	2	4	5	7	1	3	6

प्रत्येक वस्तु चाहे निर्जीव हो अथवा सजीव, धातु हो, द्रव्य हो या गैस हो उसका मानव शरीर की रक्त संचार व्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है। शरीर की रक्त संचार प्रणाली ही मनुष्य के क्रिया कलाप, विचार शक्ति और उसकी ऊर्जा को प्रभावित करती है। शरीर का नियंत्रण और नियोजन करने वाले इसी वैज्ञानिक सिद्धांत के कारण मनुष्य पर रत्नों का प्रभाव होता है। रत्न प्रकृति की अद्भुत रचना है। अनुसंधान द्वारा यह जाना गया है कि विशेष चयन विधि के द्वारा अगर रत्नों को धारण किया जाय तो जीवन में स्पष्ट और उल्लेखनीय परिवर्तन लाया जा सकता है।

रत्नों के विशेष गुण धर्म के अनुसार वे अपने साम्य ग्रहों की किरणों को अपने भीतर सोखते हैं और स्वाभाविक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण धारक के शरीर और मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं।

रत्न क्रूर ग्रहों के कुप्रभाव को कम करते हैं और शुभ ग्रहों के शुभ प्रभाव को बढ़ावा देते हैं।

विश्लेषण

आपकी कुंडली में ग्रहों की शक्ति या प्रभाव का निर्णय 'षड्बला' से किया गया है।

आपकी कूंडली में षड्बला प्रमाण १ से केवल एक ग्रह बलहीन है।

आपकी कुंडली में सबसे बलहीन ग्रह है शुक्र

लग्नाधिपति है गुरु
राशि का स्वामी है बुध
राशि पीड़ित है। अर्थात राशि पर कुदृष्टी है।
पाँचवें भाव का स्वामी है मंगल
नवमे भाव का स्वामी है रवि
नवमा भाव पीड़ित है।

आपकी दशा परिवर्तन की तालिका पर दृष्टि डालने से ज्ञात होता है कि आप राहु दशा से गुजर रहे हैं। इस दशा में आदमी व्याकुलता का शिकार हो जाता। किसी वस्तु या मंजिल पाने के लिए अति उत्सुक रहता है, तड़पता रहता है। व्याकुलता की चरम सीमा में, हड़बडी में उल्टा - सीधा या गड़बड़ करता रहता है। इस दशा में गोमेद धारण करना बेहद लाभदायी रहता है।

रत्न धारण की सलाह

1. **रत्न** : **गोमेद** (Hessonite)
   केरेट में वज़न : ४

रत्न को चाँदी की अंगूठी में जड़ें।
रत्न को दायाँ हाथ (Right Hand) पहनिए।
शनिवारके दिन सूर्योदय के १५ मिनट पश्चात पहनिए।

गोमेद (Hessonite) रत्न आपको29-08-2011तक धारण करना है

यह पीले रंग का किन्तु खाकी शहद जैसी रंगत लिए रहता है। यह श्रीलंका, अमरीका, भारत, कनाडा, ब्राज़ील और बर्मा में पाया जाता है। बर्मा और श्रीलंका के गोमेद की गुणवता अच्छी रहती है। यह रत्न राहू छायाग्रह को अपने पक्ष में करता है।

राशि का स्वामि बुध है, और राशि का भाव पीड़ित है।
लग्न के संयोग को ध्यान में रखते हूए आप बुध ग्रह का रत्न धारण न करें।

शुक्र ग्रह आपकी कुंडली में बलहीन है।
लग्न के संयोग को ध्यान में रखते हूए आप शुक्र ग्रह का रत्न धारण न करें।

सावधानी

रत्न की गुणवता

रत्न किसी विश्वास योग्य स्थान से परख कर लें। रत्न को जिस धातु में धारण करने के लिए कहा गया है उसमें ही धारण करना उचित होगा। रत्न जड़ित अंगूठी अनुभवि सुनार से ही बनवायें। रत्न धारण करने का दिन और समय भी महत्वपूर्ण है। रत्न में 'प्राण-प्रतिष्ठा' करना अति आवशयक है। आप स्वयं साफ-सफाई और स्नान करके पूजा पाठ करके प्राण-प्रतिष्ठा कर सकते हैं। रत्न मे प्राण-प्रतिष्ठा करनी ही चाहिए। रत्न दर्शायी गयी तिथि तक ही धारण किया जाय।

चेतावनी / सावधानी

जिन रत्नों को धारण करने की सलाह प्राप्त होती है वह निश्चित काल के लिए होती है। आपकी जन्म पत्रिका में बताई गई दशा के बदलने से रत्न धारण की प्रक्रिया में परिवर्तन अनिवार्य बन जाता है। साथ-साथ जीवनकाल में आपकी समस्याओं में भी परिवर्तन होता रहता है। इस कारण निश्चित काल परिधी के बाद रत्न धारण की जानकारी करना अनिवार्य है।

कृपया ध्यान रहे आपकी अगली दशा 29-08-2011पर परिवर्तित होगी।

With best wishes,
Astrowin,Selvi Xerox,
88,Kumaran Road,Tiruppur-1. Ph:0421 2244199 www.astrowin.in

[GemFinder 8.5 Hin-0-091105]